11वें दीक्षांत समारोह के दौरान डॉक्टरेट ऑफ साइंस (मानद) उपाधियाँ प्रदान की गयी

बरेली 30 जून। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), इज्जतनगर बरेली में 11वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह की मुख्य अतिथि भारत की राष्ट्रपति, माननीय श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी थी, इस दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी, माननीय राज्यपाल झारखंड श्री संतोष गंगवार जी, भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याणराज्य मंत्री, श्री भागीरथ चौधरी जी, सचिव,कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डॉ. मांगी लाल जाट, उप महानिदेशक (पशु विज्ञान) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद श्री राघवेन्द्र भट्टा; निदेशक एवं कुलपति, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, डॉ. त्रिवेणी दत्त, संस्थान के पूर्व निदेशकगण, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रबन्धन मंडल एवं शैक्षणिक परिषद के समस्त सम्माननीय सदस्य; विभिन्न संस्थानों के निदेशकगण, संयुक्त निदेशक गण, समस्त संकाय सदस्य, छात्र-छात्रांए एवं उनके अभिभावक गण सामिलित हुए।

दीक्षांत समारोह के दौरान छात्रों को उपाधियाँ प्रदान करने के साथ –साथ संस्थान द्वारा 2 डॉक्टरेट ऑफ साइंस (मानद) उपाधियाँ भी प्रदान की गईं। प्रथम उपाधि , प्रोफ़ेसर (डॉ) प्रदीप कुमार जोशी को प्रदान की गई है। प्रोफेसर जोशी एक प्रसिद्ध शिक्षाविद् और प्रशासक हैं, जो वर्तमान में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के मानद अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। वे केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (सीएयू), इम्फाल, मणिपुर और प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम के कुलाधिपति भी हैं। चार दशकों से अधिक के शानदार करियर के साथ, प्रो. जोशी ने देश में उच्च शिक्षा, शैक्षिक सुधार और सार्वजनिक सेवाओं में भर्ती के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। मई 2015 से आयोग के सदस्य होने के बाद, उन्होंने अगस्त 2020 से अप्रैल 2022 तक संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। इससे पहले, वे छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोगों के अध्यक्ष थे।

एक अनुभवी शिक्षा प्रशासक के रूप में प्रो. जोशी ने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए) के निदेशक के रूप में भी कार्य किया, जिसे अब राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (एनयूईपीए) के रूप में जाना जाता है।

प्रो. जोशी ने कानपुर विश्वविद्यालय (1981) से वाणिज्य में पीएचडी की है और उन्हें 28 वर्षों से अधिक का शैक्षणिक अनुभव है, जिसमें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश और इससे पहले रोहिलखंड विश्वविद्यालय और बरेली कॉलेज, उत्तर प्रदेश में प्रबंधन अध्ययन संकाय में प्रोफेसर, प्रमुख और डीन के रूप में कार्य करना शामिल है। उनकी विशेषज्ञता में वित्तीय प्रबंधन, कराधान, ग्रामीण विकास और सार्वजनिक क्षेत्र प्रशासन शामिल हैं। प्रोफेसर जोशी ने 19 पीएचडी छात्रों का मार्गदर्शन किया है, 24 से अधिक शोध प्रबंधों का पर्यवेक्षण किया है, और अनुसंधान में व्यापक योगदान दिया है। उन्होंने विभिन्न शैक्षणिक कार्यों के लिए बेल्जियम, हॉलैंड, इंग्लैंड, जापान और नेपाल जैसे कई देशों का दौरा किया है। वह कई उच्च स्तरीय समितियों का हिस्सा रहे हैं, जिनमें केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (सीएबीई), शिक्षा सुधार के लिए संचालन समिति और सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) के लिए राष्ट्रीय संसाधन समूह शामिल हैं।

उन्होंने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग सुधार समिति की अध्यक्षता भी की और शिक्षकों को राष्ट्रपति पुरस्कार (2022) के लिए राष्ट्रीय स्तर की जूरी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। प्रोफेसर जोशी का शानदार करियर अकादमिक उत्कृष्टता, शैक्षिक योजना और प्रशासनिक सुधारों का उदाहरण है, जो उन्हें भारत की शिक्षा और सिविल सेवा परिदृश्य को आकार देने में एक प्रमुख व्यक्ति बनाता है।

आईवीआरआई डीम्ड यूनिवर्सिटी प्रोफ़ेसर (डॉ) प्रदीप कुमार जोशी को उनके उनके उत्कृष्ट और सराहनीय योगदान के लिए डॉक्टरेट ऑफ साइंस (मानद) की उपाधि प्रदान की।

दूसरी डॉक्टरेट ऑफ साइंस (मानद) उपाधि प्रतिष्ठित सिस्टम एग्रोनॉमिस्ट और सचिव, डेयर और महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के डॉ. मांगी लाल जाट को प्रदान की गई है। डॉ. जाट राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार प्रणाली (एनएआरईईएस) का नेतृत्व करते हैं, जो सबसे बड़े वैश्विक नेटवर्क में से एक है, जो कृषि अनुसंधान, शिक्षा, नवाचार और नीति में रणनीतिक पहलों का संचालन करता है। इस महत्वपूर्ण भूमिका से पहले, वह अगस्त, 2022 से हैदराबाद के अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी) में उप महानिदेशक (अनुसंधान) और वैश्विक अनुसंधान कार्यक्रम के निदेशक थे।

डॉ. जाट वैश्विक स्तर पर सम्मानित व्यक्ति हैं, जिन्हें सिस्टम साइंस में 27 वर्षों से अधिक का अनुभव है, जो वैश्विक दक्षिण में कृषि अनुसंधान और विकास में विशेषज्ञता रखते हैं। ICRISAT में लचीले खेत और खाद्य प्रणाली (RF & FS) कार्यक्रम के लिए वैश्विक अनुसंधान कार्यक्रम निदेशक के रूप में, उन्होंने पाँच प्रमुख समूहों में बहु-विषयक अनुसंधान टीमों को वैज्ञानिक नेतृत्व, रणनीतिक दिशा और साझेदारी विकास प्रदान किया है जिसमें जलवायु अनुकूलन और शमन विज्ञान; भू-स्थानिक और जटिल डेटा विज्ञान; डिजिटल कृषि; परिदृश्य, मृदा स्वास्थ्य और जल विज्ञान; और नवाचार को बढ़ावा देते हुए ICRISAT विकास केंद्र का समन्वयन सामील है। इन शोध क्षेत्रों की देखरेख के अलावा, डॉ. जाट ने टिकाऊ कृषि में नवाचार और प्रभाव को बढ़ाने के लिए क्रॉस-प्रोग्राम तालमेल को भी बढ़ावा दिया। ICRISAT में शामिल होने से पहले, उन्होंने 12 साल तक अंतर्राष्ट्रीय मक्का और गेहूं सुधार (CIMMYT) और एक साल तक अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (IRRI) में भी काम किया। आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली से कृषि विज्ञान में पीएचडी करने वाले डॉ. जाट ने 300 से अधिक समकक्ष-समीक्षित प्रकाशनों की रचना की है और सिस्टम एग्रोनॉमी और टिकाऊ कृषि में दुनिया भर में 50 से अधिक छात्रों को मार्गदर्शन दिया है। डॉ. जाट को संरक्षण कृषि, पुनर्योजी कृषि, परिशुद्ध खेती और जलवायु-स्मार्ट कृषि में उनके अग्रणी कार्य के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा मिली है। वे राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस) के फेलो हैं और कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों के प्राप्तकर्ता भी हैं, जिनमें कृषि विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित आईसीएआर रफी अहमद किदवई पुरस्कार, संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के सलाहकार, सीजीआईएआर सिस्टम काउंसिल के सदस्य और ICRISAT गवर्निंग बोर्ड के उपाध्यक्ष शामिल हैं। इससे पहले, वे आईसीआरआईएसएटी में डीडीजी (अनुसंधान) और ग्लोबल रिसर्च प्रोग्राम के निदेशक थे। उन्होंने सीआईएमएमवाईटी और आईआरआरआई में भी काम किया है। आईवीआरआई डीम्ड यूनिवर्सिटी डॉ. मांगी लाल जाट के उत्कृष्ट और सराहनीय योगदान को मान्यता देते हुए उन्हें डॉक्टरेट ऑफ साइंस (मानद) की उपाधि प्रदान की।

प्रोफ़ेसर (डॉ) प्रदीप कुमार जोशी जी डॉक्टरेट ऑफ साइंस की उपाधि प्राप्त करते हुए

डॉ. मांगी लाल जाट जी डॉक्टरेट ऑफ साइंस की उपाधि प्राप्त करते हुए